

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, लूका-प्रेरितों के कार्य का धर्मशास्त्र

## सत्र 4, बॉक का धर्मशास्त्र, ईश्वर की योजना, क्राइस्टोलॉजी और मोक्ष

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा लूका-प्रेरितों के काम के धर्मशास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 4 है, डेरेल बॉक का धर्मशास्त्र, ईश्वर की योजना, क्राइस्टोलॉजी और मोक्ष।

हम लूका के सुसमाचार पर दो-खंडीय टिप्पणी के अपने पहले खंड के परिचय में डेरेल बॉक द्वारा लूका के धर्मशास्त्र के सारांश को देखकर लूका के धर्मशास्त्र के अपने अध्ययन को जारी रखते हैं। उन्होंने प्रेरितों के काम पर भी टिप्पणी की।

बाइबिल के धर्मशास्त्रीय उपचार अक्सर लेखक की शिक्षा को खंडित कर देते हैं। इसके बाद का सर्वेक्षण उन प्रमुख धाराओं और कनेक्शनों को रेखांकित करता है जो ल्यूक के धर्मशास्त्रीय और पादरी संबंधी सरोकारों को दर्शाते हैं। ईश्वर की योजना, मसीह और उद्धार, और नया समुदाय।

भगवान की योजना. ल्यूक की चिंता का केंद्र ईश्वर की योजना की विस्तृत चर्चा है। ल्यूक में इस विषय पर अन्य सारांशों की तुलना में अधिक जोर दिया गया है।

बॉक जानता है कि वह किस बारे में बात कर रहा है। उन्होंने यीशु की प्रोफ़ाइल पर एक बहुत अच्छा खंड तैयार किया जिसमें पहले तीन गॉस्पेल और फिर जॉन के गॉस्पेल को एक अलग उपचार में संयोजित किया गया। इसे यीशु का चित्र कहा जाता था।

सचमुच, बहुत अच्छा किया। मार्क और मैथ्यू अग्रदूत के रूप में जॉन बैपटिस्ट की भूमिका, यीशु की पीड़ा की आवश्यकता और उनकी वापसी से संबंधित योजना के बारे में बात करते हैं। उनके पास दृष्टान्तों की एक श्रृंखला भी है जो राज्य का वर्णन करती है, लेकिन ल्यूक इन विचारों के बीच संबंधों और संबंधों के बारे में विवरण प्रदान करता है।

लूका के कई अनूठे अंश परमेश्वर की योजना के इस विषय को सामने लाते हैं। लूका 1:14 से 17, 31 से 35, 46 से 55, 68 से 79, लूका 2:9 से 14, लूका 2:30 से 32, 34 से 35, लूका 4:16 से 30, लूका 13:31 से 35, लूका 24:44 से 49। हमने कितनी बार उस महान अंश का उल्लेख किया है? एक मुख्य पाठ अन्य सुसमाचारों के साथ ओवरलैप करता है।

लूका 7:18 से 35. इसके अलावा, लूका के पास पीड़ित मनुष्य का पुत्र पाठ है, जिनमें से कुछ उसके लिए अद्वितीय हैं। ओवरलैपिंग मार्ग, लूका 7:18 से 35, जॉन बैपटिस्ट और यीशु के मसीहा होने के बारे में उनके सवालों से निपटता है।

लूका के दुःखी मनुष्य के पुत्र के अंशों में लूका 9:22 और 44 शामिल हैं। लूका 17:25, जो लूका के लिए अद्वितीय है। लूका 18:31 से 33, वही।

लूका 22:22, वही। लूका 24:7, लूका के लिए अद्वितीय। प्रेरितों के काम में भी परमेश्वर की योजना के विवरण पर प्रकाश डाला गया है।

प्रेरितों के काम 2:23, प्रेरितों के काम 4:27 और 28, ये दो अंश परमेश्वर द्वारा पूर्वनिर्धारित मसीह के क्रूस पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और साथ ही, ये अंश मसीह को क्रूस पर चढ़ाने के लिए मानव जाति की बुराई की निंदा करते हैं। प्रेरितों के काम 10:34 से 43, प्रेरितों के काम 13:32 से 39, प्रेरितों के काम 24:14 और 15, और 26, 12 से 23। ये अंश यह स्पष्ट करते हैं कि योजना के प्रमुख तत्व यीशु का जीवन, आत्मिक रूप से दीन और जरूरतमंदों की आशा, परमेश्वर की आशीषों की पेशकश, नए युग का आगमन, शैतान की हार, यीशु पर आने वाली पीड़ा और इस्राएल में आने वाला विभाजन है।

लूका 24:44 से 49. अरे, हमें इस अंश को कैसे पढ़ना चाहिए। इम्माऊस के रास्ते पर शिष्य उलझन में हैं।

वे उम्मीद कर रहे थे कि यीशु इस्राएल को मुक्ति दिलाएगा। और यीशु ने उनकी आँखें खोल दीं और उन्हें पुराने नियम से कुछ अद्भुत बातें समझाईं। बाद में वह अपने शिष्यों के सामने भी प्रकट हुए और कहा, मेरे हाथ और मेरे पैर वगैरह देखो। मैं कोई भूत नहीं हूँ।

उसने यह दिखाने के लिए मछली का एक टुकड़ा खाया कि वह वास्तव में उनके सामने शारीरिक रूप से पुनर्जीवित हो गया है। और लूका 24:44 से 49, तब यीशु ने उन से कहा, ये मेरी बातें हैं जो मैं ने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम से कही थीं, कि अवश्य है कि जो कुछ मूसा की व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं और भजनों की पुस्तकों में मेरे विषय में लिखा है, वह सब पूरा हो। फिर उन्होंने धर्मग्रंथों को समझने के लिए उनके दिमाग को खोला।

और उस ने उन से कहा. इस प्रकार, यह लिखा है कि मसीह को कष्ट सहना होगा और तीसरे दिन मृतकों में से जीवित होना होगा, और उसके नाम पर यरूशलेम से शुरू करके सभी राष्ट्रों में पश्चाताप और पापों की क्षमा की घोषणा की जानी चाहिए। तुम इन बातों के गवाह हो, और देखो, मैं अपने पिता का वचन तुम पर पूरा कर रहा हूँ, परन्तु जब तक तुम ऊपर से शक्ति प्राप्त न कर लो, तब तक नगर में ही रहो। यह एक महत्वपूर्ण मार्ग है क्योंकि यह यीशु के करियर को तीन भागों में विभाजित करता है और धर्मग्रंथों से अपील करता है।

एक, मसीह को कष्ट सहना होगा। दो, उसे तीसरे दिन मृतकों में से जीवित किया जाना चाहिए। और तीन, पापों की क्षमा के लिए पश्चाताप का प्रचार यरूशलेम से लेकर सभी राष्ट्रों में उसके नाम पर किया जाना चाहिए।

आत्मा के आने के वादे पर भी प्रकाश डाला गया है। इस प्रकार, यीशु की नैतिक शिक्षा की सारी सुंदरता के बावजूद, ल्यूक के लिए सुसमाचार का संदेश नैतिकता से कहीं अधिक है। यह यीशु के माध्यम से ईश्वर की ओर मुड़कर उससे जुड़ने का एक नया तरीका है।

दूसरे शब्दों में, ल्यूक यीशु को नई वाचा के मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करता है। यदि कोई पश्चात्ताप करते हुए ईश्वर के पास जाता है, तो पिता का आध्यात्मिक आशीर्वाद प्राप्त होता है। वादा और निभाना।

ईश्वर की योजना का विषय सुसमाचार और प्रेरितों के काम में वादे और पूर्ति के नोट द्वारा समर्थित है, खासकर जब यह शास्त्रों से संबंधित है। पुराने नियम की अपील क्राइस्टोलॉजी, इस्राएलियों की अस्वीकृति, गैर-यहूदी समावेशन और अंत में न्याय पर केंद्रित है। बाद के दो विषय प्रेरितों के काम में सुसमाचार की तुलना में अधिक प्रमुख हैं।

इस तरह, प्रेरितों के काम 24:14 को विभिन्न आरोपों से प्रस्तुत और बचाव किया गया है, खासकर यहूदियों और अन्यजातियों के बीच पौलुस के प्रयासों के दौरान। फिर भी, अन्यजातियों और गैर-यहूदियों द्वारा सुसमाचार का जवाब देने का विषय जबकि इस्राएल ठोकर खाता है, लूका के कई ग्रंथों में मौजूद है। लूका 2:34, 3, 4-6, 4:25-27, 7:1-10, 10:25-37, 11:49-51, 13:7-9, 13, 23-30, और 13:31-35, 14:16-24, 17:12-19, और 19:41-44।

ल्यूक के सुसमाचार में देखी गई यह नस्लीय चिंता इंगित करती है कि कैसे भगवान की योजना में सभी नस्लें शामिल हैं। आज के अंश योजना के मूल भाव को बढ़ाते हैं और वादे की तत्काल उपलब्धता दर्शाते हैं। वे ऐसे अंश हैं जो आज इस शब्द का उपयोग करते हैं।

उदाहरण के लिए, ल्यूक 2:11, हमारे क्रिसमस छंदों में से एक, क्योंकि आपके लिए आज या आज के दिन डेविड के शहर में एक उद्धारकर्ता का जन्म हुआ है जो मसीह प्रभु है। 4:21, नासरत में, यीशु आराधनालय में खड़ा होता है, यशायाह पुस्तक लेता है और अध्याय 61 पढ़ता है और कहता है, आज यह धर्मग्रन्थ तुम्हारे सुनने में पूरा हो गया है। बॉक का कहना यह है कि यह आज का व्यवसाय, वह भाषा इंगित करती है कि ईश्वर की योजना व्यक्तिगत रूप से यीशु के मंत्रालय के ठीक बीच में पूरी हो रही है।

यीशु ने एक लकवे के रोगी को चंगा किया, उन सब को देखकर आश्चर्य हुआ, लूका 5:26, और वे परमेश्वर की स्तुति करने लगे, और विस्मय से भर गए और कहने लगे, कि हम ने आज असाधारण बातें देखी हैं। 13:32, और 33। इसलिए ल्यूक विभिन्न कैचवर्ड, विभिन्न उपकरणों का उपयोग करता है।

वह कहते हैं, यह बार-बार आवश्यक है। और यहाँ, आज का दिन परमेश्वर की योजना में वादों की पूर्ति की बात करता है। लूका 13:32, पिछली आयत में कुछ फरीसी आकर यीशु से कहते हैं, यहां से चले जाओ, क्योंकि हेरोदेस तुम्हें मार डालना चाहता है।

और यीशु ने उन से कहा, जाकर उस लोमड़ी से कहो, देख, मैं आज और कल दुष्टात्माओं को निकालता और चंगा करता हूँ, और तीसरे दिन अपना काम पूरा करूँगा। तौभी मुझे आज और कल और परसों अपने मार्ग पर चलना अवश्य है, क्योंकि ऐसा नहीं हो सकता कि कोई भविष्यद्वक्ता यरूशलेम से दूर नाश हो जाए। दो छंदों के अंतराल में दो बार इस्तेमाल की गई "आज" भाषा विरोध और यरूशलेम में उनके निधन से जुड़ी है।

19:5, जक्कई जल्दी से नीचे उतर आओ, यीशु पेड़ पर चढ़े आदमी से कहते हैं, वह छोटा आदमी, क्योंकि मुझे आज तुम्हारे घर पर रहना है। श्लोक 9, यीशु ने कहा, आज इस घर में उद्धार आया है, क्योंकि यह भी अब्राहम का पुत्र है। और फिर जिसे कई लोग लूका के पूरे सुसमाचार में सबसे महत्वपूर्ण श्लोक मानते हैं, क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुए लोगों को खोजने और बचाने के लिए आया था।

पद 42, यीशु यरूशलेम पर चिल्लाते हैं, काश कि तुम, हे यरूशलेम, आज के दिन, शांति के लिए जो बातें हैं, उन्हें जान लेते। लेकिन अब वे तुम्हारी आँखों से छिपी हुई हैं। और फिर लूका 23:42 और 43, आज तुम मेरे साथ स्वर्ग में रहोगे, वह चोर से कहता है।

यीशु, जब तुम अपने राज्य में आओ तो मुझे याद रखना, पश्चाताप करने वाला चोर क्रूस से कहता है। और उसने उनसे कहा, मैं तुमसे सच कहता हूँ, आज तुम मेरे साथ स्वर्ग में रहोगे। इसलिए, "आज" की पुनरावृत्ति, "आज के अंश" योजना के मूल भाव को बढ़ाते हैं और यीशु के कार्य और शब्दों और उन लोगों के साथ जिनके साथ वह बातचीत करता है, में तुरंत वादे की पूर्ति दिखाते हैं।

जॉन द बैपटिस्ट, जॉन द बैपटिस्ट वादे के पुराने युग और उद्घाटन के नए युग के बीच फैला हुआ पुल है। लूका 1 और 2, विशेष रूप से 1:76 से 79, लूका 3:4 से 6, लूका 7:24 से 35, और लूका 16:16। व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता यूहन्ना तक थे।

तब से, परमेश्वर के राज्य का शुभ समाचार प्रचारित किया जाता रहा है, और हर कोई इसमें अपना रास्ता बनाता है। हमारा सरोकार उस आयत के कठिन अंत से नहीं है। व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता यूहन्ना तक थे।

तब से, राज्य की खुशखबरी का प्रचार किया जाता है। यूहन्ना पुराने युग को नए युग से जोड़ने वाला सेतु है। वास्तव में, वह पुराने युग से संबंधित है, लेकिन यीशु की ओर इशारा करता है जो नए युग में केंद्रीय व्यक्ति है।

यहाँ लूका 7 शिक्षाप्रद है। यूहन्ना मलाकी द्वारा भविष्यवाणी किया गया अग्रदूत है, लेकिन इससे भी अधिक यूहन्ना पुराने काल के सबसे महान भविष्यद्वक्ता का प्रतिनिधित्व करता है। लूका 7:27.

दरअसल, मैं समझता हूँ। यशायाह से भविष्यवाणी उद्धृत करने के बाद, नहीं मलाकी 3:1 से, यशायाह 40 में भी यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की भविष्यवाणी है। 1 लूका 7:28.

यूहन्ना से बड़ा कोई नहीं। क्या कथन है। फिर भी परमेश्वर के राज्य में जो सबसे छोटा है, वह उससे भी बड़ा है।

तो, जॉन एक बहुत बड़ी हस्ती हैं, भगवान के एक अद्भुत व्यक्ति हैं। फिर भी, वह पुराने युग का है और नए राज्य के राज्य में सबसे छोटा व्यक्ति, यीशु में अपने नए नियम की अभिव्यक्ति में लाया गया परमेश्वर का राज्य, जॉन से बड़ा है। स्त्रियों से जन्मे महानतम लोग.

अविश्वसनीय। यह परिच्छेद प्रस्तुत करता है कि जब हमने अभी-अभी ईश्वर की योजना की मूल लुकान संरचना का उल्लेख किया था, एक वादा या अपेक्षा का युग जिसमें जॉन सबसे महान थे, उसके बाद उद्घाटन का एक युग आया जिसमें जॉन वास्तव में शामिल नहीं थे। यह दो-चरणीय संरचना 1960 में ल्यूक पर लिखी गई एक प्रसिद्ध टिप्पणी में हंस कॉनज़ेलमैन द्वारा प्रस्तावित तीन चरणों से बेहतर है और 1981 में फिट्ज़मायर द्वारा संशोधित रूप में इसका बचाव किया गया था।

कोन्ज़ेलमैन का प्रस्ताव यीशु युग और चर्च युग के बीच विभाजन को बहुत मजबूत बनाता है, विशेष रूप से यीशु और चर्च की गतिविधियों के बीच समानताओं के प्रकाश में। चर्च का सुसमाचार संदेश और अंत के बारे में यीशु की शिक्षा, नए उद्घाटन युग के समय और संरचना को स्पष्ट करती है। ईश्वर की योजना में अभी भी भविष्य के तत्व हैं जिन्हें साकार किया जाना है।

लूका 17:21 से 27, लूका 21:5 से 38, लेकिन बुनियादी मोड़ आ चुका है। इसलिए, योजना के दूसरे भाग में एक उपविभाजन है, भले ही पूरा युग एक पूर्णता का युग है। इसलिए, वादे का समय है, पुराना नियम, यीशु और उसके प्रेरितों में पूर्णता का समय, लेकिन पूर्णता का वह समय बदले में दो भागों में विभाजित हो जाता है।

यह वही है जिसकी भविष्यवाणी भविष्यवक्ताओं ने की थी। और पूर्णता, प्रेरितों के काम 3:14 से 26, अंतिम अंत अभी नहीं है, या जिसे अब नया नियम धर्मशास्त्र कहता है, अभी नहीं। पुराने नियम के प्रमुख वादे पहले ही पूरे हो चुके हैं।

मसीहा आ गया है। परमेश्वर का राज्य यीशु के व्यक्तित्व और सेवकाई में आ गया है। लूका कहता है, यदि मैं परमेश्वर की उंगली से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे बीच में आ गया है।

और फिर भी, परमेश्वर के राज्य की पूर्णता अभी तक नहीं आई है। यह तभी आएगा जब यीशु वापस आएंगे। "अभी तक नहीं" की अपेक्षा यीशु के नैतिक संदेश के लिए महत्वपूर्ण है, जैसा कि हम आगे बढ़ते हुए देखेंगे।

मिशन वक्तव्य। परमेश्वर की योजना के अन्य तत्व यीशु के मिशन वक्तव्यों में देखे जा सकते हैं, जहाँ वह अपने कार्य की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यीशु ज़रूरतमंदों को खुशखबरी सुनाने के लिए आता है, लूका 4:18 और 19।

वह बीमारों को ठीक करने के लिए आता है, लूका 5:30 से 32। वह सुना जाता है, चाहे संदेश उसके माध्यम से हो या उसके प्रतिनिधियों के माध्यम से, लूका 10:16 से 20। वह खोए हुए को खोजने और बचाने के लिए आता है, लूका 19: 10.

उनके करियर की फिर से समीक्षा अधिनियम 10:36 से 43 में की गई है। अधिनियम 10:36, जहाँ तक उस शब्द का सवाल है जिसे भगवान ने यीशु मसीह के माध्यम से शांति की अच्छी खबर का प्रचार करते हुए इज़राइल को भेजा था, वह सभी का भगवान है। आप स्वयं जानते हैं कि जॉन

द्वारा घोषित बपतिस्मा के बाद गलील से लेकर पूरे यहूदिया में क्या हुआ, कैसे भगवान ने नासरत के यीशु का अभिषेक किया, अधिनियम 10, 38, पवित्र आत्मा और शक्ति के साथ।

वह भलाई करता रहा, और उन सब को जो शैतान के सताए हुए थे, चंगा करता रहा, क्योंकि परमेश्वर उसके साथ था। भौगोलिक प्रगति. भौगोलिक प्रगति से ईश्वर की योजना के तहत आंदोलन के विकास का पता चलता है।

गलील से यरूशलेम तक सुसमाचार की रूपरेखा इस वृद्धि को दर्शाती है, जैसा कि प्रेरितों के काम में पौलुस के रोम जाने की आवश्यकता को दर्शाता है। मेरे एक मित्र ने देखा कि प्रेरितों के काम में, पौलुस को यरूशलेम की यात्रा भी करनी पड़ी थी, और यह निश्चित रूप से सच है। इसलिए यीशु ने इसका उदाहरण दिया, लेकिन फिर प्रेरितों के काम में पौलुस रोम की अपनी यात्रा में आगे बढ़ता है, प्रेरितों के काम 19:21, प्रेरितों के काम 23:11।

यह ज़रूरी है। हम फिर से उस शब्द पर वापस आते हैं और इसका क्या मतलब है। कई अंशों में कहा गया है कि यह ज़रूरी है।

ग्रीक शब्द, दिन। यह आवश्यक है, या किसी को कभी-कभी इसका अनुवाद करना चाहिए। कई अंश यह घोषित करते हैं कि कुछ घटित होना आवश्यक है।

वास्तव में, नए नियम में दिन के 101 में से 40 प्रयोग लूका, प्रेरितों के काम में पाए जाते हैं। यीशु को अपने पिता के घर में होना चाहिए, लूका 2:49। उसे राज्य का प्रचार करना चाहिए, लूका 4:43।

उसे शैतान द्वारा सताई गई महिला को ठीक करना होगा, ल्यूक 13:16। ल्यूक दिखाता है कि यीशु केवल एक नैतिकतावादी नहीं है, बल्कि ईश्वर के विरोध में ब्रह्मांडीय ताकतों के खिलाफ संघर्ष कर रहा है। अंत से पहले कुछ घटनाएँ अवश्य होनी चाहिए, लूका 17:25।

लूका 21:9. यीशु को अपराधियों में गिना जाना चाहिए, लूका 22:37। मसीह को कष्ट सहना होगा और पुनर्जीवित होना होगा, लूका 24:7। पापों की क्षमा के लिए पश्चाताप का उपदेश होना चाहिए, ल्यूक 24:43 से 47। मनुष्य के पुत्र के कष्ट की आवश्यकता पहले ही नोट की जा चुकी है, यह भी इस जोर का एक हिस्सा है।

अधिनियम भी इस विषय पर जोर देते हैं, कभी-कभी दिन का उपयोग करते हैं, कभी-कभी नहीं। अधिनियम 1:11, 3:21, 9:6, और 16:13, 46, 14:22, 19:21, 23:11, 25:10, 27:24। हर घंटे चर्च की घंटी बजने की तरह, ल्यूक भगवान के डिज़ाइन की धुन बजाता है।

ईश्वर की योजना उसकी करुणा और उद्धार के प्रयास को व्यक्त करती है। वह निर्देशित करता है कि क्या घटित होता है, जो घटित हुआ है उसे ईश्वर ने डिज़ाइन किया है, क्योंकि ल्यूक एक सक्रिय, दयालु ईश्वर के हाथों में पड़ने का आश्वासन दे रहा है। बाख की समझ में क्राइस्टोलॉजी और मोक्ष दूसरा प्रमुख विभाजन है, पहला भगवान की योजना है।

ईसाई धर्म और मोक्ष. परमेश्वर की योजना के केंद्र में यीशु और मुक्ति हैं। यीशु कौन है? वह क्या लाता है? हम कैसे जानें कि वह परमेश्वर का चुना हुआ है? ये ल्यूक के लिए केंद्रीय प्रश्न हैं।

ईश्वर की सक्षमता के साथ-साथ प्रतिक्रिया देने के लिए संदेश और आह्वान भी हैं। ये सभी नोट एक पैकेज में लपेटे गए हैं जिससे यह स्पष्ट होता है कि योजना का न केवल भविष्य है बल्कि यह वर्तमान के लिए भी प्रासंगिक है। किसी को न केवल ईश्वर को जानना है, बल्कि उसके प्रति जिम्मेदार और जवाबदेह भी होना है।

इस प्रकार, यह योजना न केवल उद्धार करती है, बल्कि विश्वास की प्रतिक्रिया की मांग करती है जिसमें नैतिक बढ़त भी हो। मसीहा, सेवक, भविष्यवक्ता और प्रभु। यीशु का चित्रण वह है जिसे लूका ने सावधानीपूर्वक विकसित किया है।

कुछ लोगों का कहना है कि ल्यूक का क्राइस्टोलॉजी विभिन्न परंपराओं का संग्रह है। क्रेग इवांस ने 1990 की एक किताब में कहा है कि न्यू टेस्टामेंट में सबसे विविधतापूर्ण है। यह तर्क दिया जाता है कि कोई भी शीर्षक काम पर हावी नहीं है और इसे विस्तार से तैयार किया गया है।

बाख कहते हैं, मेरे विचार से, यह लूका के काम को कम करके आंकता है। लूका 1 और 2 में यीशु को मुख्य रूप से एक शाही या राजसी व्यक्ति के रूप में पेश किया गया है। मरियम को दी गई घोषणा और जकर्याह की टिप्पणियाँ दोनों ही दाऊद के संबंध को स्पष्ट करती हैं।

यीशु राज्य करेगा, और यह बच्चा दाऊद के वंश में राज्य करेगा। लूका 1:31 से 33. लूका 1:69.

वह अपने पिता, दाऊद की गद्दी पर बैठेगा। भविष्यवक्ता और सेवक जैसे अन्य कार्य भी लूका के लिए महत्वपूर्ण हैं। बपतिस्मा के समय यीशु का अभिषेक भजन 2 और यशायाह 42 के संयोजन को याद दिलाता है, जो एक राजसी, भविष्यसूचक छवि को एक साथ लाता है।

लूका 3:21 से 22. जब सब लोगों ने बपतिस्मा लिया, और यीशु भी बपतिस्मा लेकर प्रार्थना कर रहा था, तो आकाश खुल गया, और पवित्र आत्मा शारीरिक रूप में कबूतर की नाई उस पर उतरा, और यह आकाशवाणी हुई, कि हे मेरे प्रिय पुत्र, मैं तेरे साथ रहकर प्रसन्न हूँ।

प्रिय पुत्र, हम भजन 2 को कहते हैं, जो परमेश्वर के पुत्र के बारे में बोलता है, जिसे परमेश्वर ने सिय्योन में शासन करने के लिए नियुक्त किया है, और जिसे सुनने वालों को चूमना चाहिए या उसके सामने झुकना चाहिए, ताकि उसका क्रोध न भड़के, और वे उसका क्रोध महसूस करें। यशायाह 42 परमेश्वर द्वारा चुने गए मसीहा के बारे में बोलता है। तुम मेरे पुत्र हो, जिससे मैं बहुत प्रसन्न हूँ।

शिमोन की टिप्पणियों में नौकर और भविष्यवक्ता की कल्पना एक साथ आती है। लूका 2:30 से 35. लूका 1:4. ल्यूक 4:16 से 30 तक।

लेकिन ल्यूक में एक नेता भविष्यवक्ता का विचार प्रमुख है। एक नेता भविष्यवक्ता. यद्यपि पैगंबर एलियाह और एलीशा को समानांतर के रूप में उठाया गया है, ल्यूक 4:25 से 27, ल्यूक गरीबों में

अभिषेक की भी बात करता है, ल्यूक 4:18, इस प्रकार यह संकेत देता है कि यीशु का अभिषेक, जो यीशु कहते हैं, आज पूरा हो गया है।

ल्यूक 4:21 यीशु के बपतिस्मा की ओर देखता है। ल्यूक 3:21 से 22. यह एक महत्वपूर्ण बिंदु है।

मसीहा, यीशु का अभिषेक किया गया है। ल्यूक 4:21 को प्रतिबिंबित करते हुए, यह यीशु के बपतिस्मा को प्रतिबिंबित करता है, जो पहले ही हो चुका है। ल्यूक 3:21 से 22.

फिर भी, जनता यीशु को एक भविष्यवक्ता के रूप में देखती है। लूका 7:16, 9:7 से 9 और 9:19.

लेकिन पतरस का कबूलनामा यीशु पर मसीह के रूप में केन्द्रित है। लूका 9:20. यीशु मनुष्य के पुत्र के दुख की अनिवार्यता का परिचय देकर इस कबूलनामे को योग्य बनाता है।

लूका 9:22. यहाँ तक कि यीशु की उपाधि पुत्र का प्रयोग मनुष्य के पुत्र का वर्णन करने के लिए किया जाता है। लूका 9:21.

लूका ने मनुष्य के पुत्र को यीशु की मसीहाई भूमिका से अनोखे ढंग से जोड़ा है। लूका 4:41. दुष्टात्माएँ भी बहुतों से निकलकर चिल्लाने लगीं, तू परमेश्वर का पुत्र है।

लेकिन उसने उन्हें डांटा और बोलने नहीं दिया क्योंकि वे जानते थे कि वह मसीह है। यह शाही भविष्यसूचक मिश्रण रूपांतरण की आवाज़ के साथ फिर से प्रकट होता है। यह मेरा प्रिय पुत्र है।

वैसे, यह लूका 9:35 का संदर्भ है, जहाँ पिता स्वर्ग से इस तरह बोलते हैं। मुझे यकीन है कि मैंने इसे सही समझा है। और बादलों से एक आवाज़ आई, यह कहते हुए कि यह मेरा बेटा है।

2 कुरिन्थियों के अनुसार परमेश्वर का पुत्र। परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर का पुत्र, 1 शमूएल 7, सुलैमान और दाऊद के अन्य वंशजों पर लागू होता है जो दाऊद के सिंहासन पर हमेशा के लिए कब्जा कर लेंगे। उनमें से एक होगा।

वह राजसी है। यह मेरा बेटा है, मेरा चुना हुआ। यशायाह 42:1. उसकी बात सुनो।

व्यवस्थाविवरण 18:15. इसलिए यह कहना कि, यह मेरा प्रिय पुत्र है, चुना हुआ है, इसकी सुनो, भजन संहिता 2:7 की पूर्ति को दर्शाता है। यशायाह 42:1. व्यवस्थाविवरण 18:15. जब यीशु को भविष्यद्वक्ता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो वह एक नेता भविष्यद्वक्ता होता है, मूसा जैसा।

यहाँ भी, नियम और निर्देश का नोट मौलिक है। संक्षेप में, यीशु की मसीहाई भूमिका लूका के मसीहशास्त्र के लिए केंद्रीय है। लेकिन यीशु के मसीहा होने को स्पष्टीकरण और सावधानीपूर्वक परिभाषा की आवश्यकता है।

इसलिए, लूका मसीहा के साथ-साथ अन्य अपेक्षाएँ भी रखता है। फिर भी, मसीहा होना ही वह मूलभूत श्रेणी है जिसके इर्द-गिर्द अन्य अवधारणाएँ घूमती हैं। लूका 11:47 से 51 जैसे ग्रंथों में भविष्यवाणी का भाव प्रबल है।

लूका 13:31 से 35. लूका 24:19 और 21. लेकिन लूका 13 में भजन 118 का उल्लेख प्रस्तुति को एक राजसी संकेत में विस्तारित करता है।

लूका 19:38. चूँकि आनेवाला मूलतः एक युगान्तकारी और मसीहाई व्यक्ति है। लूका 3:15 से 18.

लूका 7:22 से 23. 19:38. लूका 24 भी आशा प्रस्तुत करता है, यद्यपि वक्ताओं ने सोचा कि यह विफल हो गया है, गलती से सोचा कि यह विफल हो गया है, कि यीशु राष्ट्र को छुटकारा दिलाएगा।

लूका 24:21. इस प्रकार, शाही उद्धारकर्ता की तस्वीर कभी भी भविष्यवाणी से बहुत दूर नहीं होती है। बाख कह रहे हैं कि लूका मसीहाई, मसीही शिक्षा के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत करता है, और वे एक तरह से आपस में जुड़े हुए हैं।

साथ ही, यह मसीहा है, जो सबसे बुनियादी है, परमेश्वर का सेवक, भविष्यवक्ता जो परमेश्वर के लिए बोलता है, और प्रभु जो परमेश्वर है और जो शासन करेगा। यीशु की सेवकाई के अंत में, लूका का चित्रण अधिक केंद्रित है। लूका अब मनुष्य के पुत्र के अधिकार का संदर्भ देता है और प्रभु के बारे में बात करता है।

लूका 20:41 से 44. 21:27, 22:69. लूका 20:41 से 44. दोहराने के लिए: लूका 20:41 से 44. लूका 20:41 से 44.

लूका 20:41 से 44. यीशु ने कहा, वे कैसे कह सकते हैं कि मसीह दाऊद का पुत्र है? क्योंकि दाऊद ने स्वयं भजन संहिता की पुस्तक में कहा है, प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने हाथ बैठो जब तक कि मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे चरणों की चौकी न कर दूँ। दाऊद बोलता है और परमेश्वर को प्रभु कहता है, जो दाऊद के दूसरे प्रभु से बात करता है, जो आश्चर्यजनक है।

इस प्रकार दाऊद उसे प्रभु कहता है। दाऊद मसीहा को प्रभु कहता है। वह उसका पुत्र कैसे हो सकता है? वह एक ही समय में परमेश्वर और दाऊद का मानव वंशज कैसे हो सकता है? यीशु समस्या का समाधान नहीं करते।

वह बस उन्हें उबलने देता है। अन्य सुसमाचार कहते हैं, उसके बाद, किसी ने उससे कोई और सवाल नहीं पूछा। उसने उन्हें रोक दिया।

लूका में अपने युगांतशास्त्रीय प्रवचन में 21:27 में यीशु कहते हैं, और वे मनुष्य के पुत्र को सामर्थ्य और महान महिमा के साथ बादल में आते देखेंगे। और फिर 22:69। ये अद्भुत कथन हैं।

लेकिन अब से, मनुष्य का पुत्र परमेश्वर की शक्ति के दाहिने हाथ पर बैठेगा, जिस पर यहूदी नेताओं ने उस पर ईशनिंदा का आरोप लगाया था, जो कि ऐसा होता अगर वह दानियेल का मनुष्य का पुत्र न होता। दानियेल 7:13 और 14. मनुष्य का पुत्र वास्तव में एक जटिल श्रेणी है।

यीशु का पसंदीदा आत्म-पदनाम। वह हमेशा इसे तीसरे व्यक्ति में इस्तेमाल करता है। वह कभी नहीं कहता, मैं हूँ।

वह हमेशा कहता है, मनुष्य के पुत्र के पास सिर टिकाने की भी जगह नहीं है। मनुष्य के पुत्र को शास्त्रियों और मुख्य याजकों के हवाले कर दिया जाएगा और उसे क्रूस पर चढ़ाया जाएगा और फिर से जी उठेगा। मनुष्य का पुत्र महिमा में आ रहा है, ऐसा ही है।

और इसमें भजन 8 के नम्र, नश्वर मनुष्य के पुत्र दोनों को शामिल किया गया है। मनुष्य कौन है कि तुम उसका ध्यान रखते हो? मनुष्य का पुत्र कि तुम उसका ध्यान रखते हो। यह यीशु के कथन में प्रतिबिंबित होता है। पक्षियों का अपना घोंसला होता है।

लोमड़ियों के पास अपनी मांदें हैं। मनुष्य के बेटे के पास सिर रखने के लिए कोई जगह नहीं है। वह उस समय कमज़ोर, नश्वर और बेघर है।

लेकिन फिर यीशु के होठों पर, हमेशा तीसरे व्यक्ति में, दानियेल 7:13 और 14 का संदर्भ है, जो स्वर्ग के बादलों में आ रहा है और इसी तरह, भजन 110 के साथ संयुक्त है। परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठने के लिए, जिसे मैंने अभी पढ़ा। और इसने नेताओं से ईशनिंदा की चीख निकाली।

इसलिए, यीशु ने दानियेल के दिव्य मनुष्य के पुत्र को भजन के विनम्र, नश्वर मनुष्य के पुत्र के साथ जोड़ दिया ताकि उन्हें और अधिक भ्रमित किया जा सके। बेशक, इस मामले की सच्चाई यह है कि वह एक ही व्यक्ति में ईश्वर और मनुष्य दोनों है। प्रेरितों के काम 2, 30 से 36।

प्रेरितों के काम 10:36 इसी तरह बोलता है। मैं बस अधिनियम 10:36 करूँगा। पीटर कहते हैं, यीशु मसीह, वह सभी के भगवान हैं।

पहले उल्लिखित ये अवधारणाएँ, ल्यूक 5:24, अब यीशु के बारे में विवाद का केंद्र बन गई हैं। भजन 110 के ल्यूक के उद्धरण इस मार्ग की केंद्रीयता को दर्शाते हैं। तीन चरणों में, ल्यूक प्रभुत्व का मुद्दा उठाता है, ल्यूक 20:41 से 44, यीशु का उत्तर देता है, ल्यूक 22:69, और दिखाता है कि प्रभुत्व में यीशु के अधिकार की घोषणा कैसे की जाती है।

सारांश पहले दो पाठों को साझा करता है, लेकिन ल्यूक के लिए अद्वितीय अधिनियम 2 में पाया गया विस्तृत विवरण है। ल्यूक 22:69 यह स्पष्ट करता है कि अब से, यीशु, ईश्वर के साथ, प्रभु के रूप में अधिकार का प्रयोग करेगा। मसीहा का सेवक, भविष्यवक्ता, भगवान है। अधिनियमों में, उनके नाम पर धार्मिक संस्कार किये जाते हैं।

यीशु का अधिकार संपूर्ण है और विश्वासियों तक उसका नाम पुकारने और उसके नाम पर कार्य करने तक फैला हुआ है, जैसे पुराने नियम के संतों ने यहोवा की ओर से कार्य किया था। दूसरे

शब्दों में, ल्यूक ने अपनी क्राइस्टोलॉजी को पृथ्वी से ऊपर तक विकसित किया। यद्यपि उनके जन्म के समय एक स्वर्गीय संबंध के संकेत मौजूद थे, मसीहा के सेवक, पैगंबर, धीरे-धीरे उनके मंत्रालय और परीक्षण के संदर्भ में भगवान के रूप में प्रकट होते हैं।

कथा पाठक को अपने साथ लाती है। जैसे-जैसे घटनाएँ आगे बढ़ती हैं, इसमें यीशु का चित्र गहरा होता जाता है। ल्यूक ने यीशु के मंत्रालय में घटनाओं का परिचय देने वाले आख्यानो में प्रभु के बारे में विशिष्ट रूप से बोलकर यीशु के अधिकार के चित्र को बढ़ाया है।

कुरियोस, या भगवान, भगवान के लिए एक ग्रीक शब्द, के उपयोग से जुड़े पुराने नियम के उद्धरणों से पता चलता है कि लुकान चित्र के केंद्र में नेता-पैगंबर के रूप में यीशु की तस्वीर है, जो मसीहा से भी अधिक है। जाहिर है, अन्य शीर्षक महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ल्यूक इस मूल चित्र के साथ अधिक मौजूद है। यीशु उद्धारकर्ता या मुक्तिदाता है।

ल्यूक 2:11, ल्यूक 1:70-75, ल्यूक 2:30-32, अधिनियम 5:31, उन्होंने उसे मार डाला, यहूदियों ने उसे मार डाला, लेकिन 5:31, भगवान ने उसे अपने दाहिने हाथ से नेता और उद्धारकर्ता के रूप में ऊंचा किया इस्राएल को मन फिराव और पापों की क्षमा दो। यह यहूदी नेतृत्व का फैसला है, जो ईश्वर के फैसले से बिल्कुल अलग है। उन्होंने उसे क्रूस पर चढ़ा दिया।

परमेश्वर ने उसे बहुत ऊंचा उठाया। अधिनियम 13 :23-25 यही बात दर्शाता है। वह दाऊद का पुत्र है, लूका 1:27, 32, 69, 2:4, 11, 18, 38, 39, प्रेरित 2:25-31, प्रेरित 15:16, या वह राजा है, लूका 19:38। वह दाऊद का पुत्र है, लूका 1:27। वह पुत्र है जो ईश्वर को पिता के रूप में मानता है, जैसा कि ईश्वरीय साक्ष्य भी घोषित करता है।

लूका 1:35, लूका 2:49, 3:22, 38, 4:3, 9, 41, 9:35, 10:21, 22, फिर भी वह आदम का पुत्र है जो अनुग्रह में बढ़ता है। लूका 3:38, लूका 2:40, लूका 2:52, वह बुद्धि और डील-डौल में बालक यीशु के समान बढ़ा हुआ। वह मानसिक रूप से बुद्धिमान और शारीरिक रूप से कद में विकसित हुआ।

वह आध्यात्मिक रूप से ईश्वर के पक्ष में और सामाजिक रूप से मनुष्यों के पक्ष में विकसित हुआ। वह एक ही समय में भगवान और मनुष्य दोनों कैसे हो सकते हैं? यही क्रिसमस का चमत्कार है। यह अवतार का चमत्कार है।

जब त्रिदेवों का दूसरा व्यक्ति, परमेश्वर पुत्र, मनुष्य बन जाता है। तो, वह अब से परमेश्वर-मनुष्य है। वह अनुग्रह में बढ़ा, उसकी तुलना योना, सुलैमान और अन्य लोगों से की जाती है।

मनुष्य के पुत्र के रूप में, वह कष्ट उठाता है, ऊंचा किया जाता है, और सेवकाई करता है। वह अक्सर केवल शिक्षक होता है। ल्यूक द्वारा चित्रित यीशु का चित्रण विविधतापूर्ण, लेकिन संगठित है।

यीशु अधिकार और वादा लेकर चलते हैं। यीशु की शिक्षा और कार्य में राज्य। मसीहा परमेश्वर का राज्य लाता है, परमेश्वर का शासन पृथ्वी पर प्रकट होता है, लूका 4:18 और 43, 7:22, 8:1, 9:6, 10:11। राज्य अभी मौजूद है, लेकिन भविष्य में आएगा।

इसमें सांसारिक आशा है और फिर भी आध्यात्मिक आयाम हैं। इसमें उत्तरदायी, संभावित और अनिच्छुक विषय हैं। वर्तमान राज्य यीशु के अधिकार से जुड़ा हुआ है।

ल्यूक अक्सर राज्य की पहले से ही उपस्थिति का उल्लेख करता है जब यीशु बुरी आध्यात्मिक शक्तियों पर अधिकार का प्रयोग करता है। यह संबंध राज्य के आध्यात्मिक चरित्र को दर्शाता है। राज्य निकट है, लूका 10:9. दुष्टात्माओं पर 72 शिष्यों के अधिकार को शैतान के पतन के रूप में देखा जाता है, लूका 10:18 और 19।

वास्तव में, यीशु कहते हैं कि यदि वह परमेश्वर की उंगली से दुष्टात्माओं को निकालता है, तो राज्य उन लोगों पर आ गया है जो उपस्थित हैं, लूका 11:20 और 23। राज्य तुम्हारे बीच में है, लूका 17:21। एक दृष्टांत में, राजा एक राज्य प्राप्त करने के लिए प्रस्थान करता है, उद्धरण बंद करें, इसलिए लौटने से पहले वह स्पष्ट रूप से उसके पास होता है, ल्यूक 19:14 और 15। अपने परीक्षण में, यीशु स्पष्ट करता है कि वह अब भगवान के पक्ष में होगा।

राज्य तुम्हारे बीच है, दूसरी बार जब तुम परमेश्वर के पास हो। बाख दाहिने हाथ के बजाय बगल कहना पसंद करते हैं, लूका 22:69। भजन 110 के लिए लूका की अपील शाही अधिकार की उपस्थिति को दर्शाती है। लूका प्रेरितों के काम 2:30-36 में इस विषय पर विस्तार से बताते हैं, जिसमें उद्धार के लाभों का वितरण शामिल है।

राज्य के वर्तमान पहलू को पूरक बनाने वाला इसका भविष्य का स्वरूप है, यह "अभी तक नहीं" पहलू, राज्य के आने से पहले आने वाले न्याय को शामिल करता है। लूका 17:22 से 37, जिसे छुटकारे का समय कहा जाता है। लूका 21:5 से 38, प्रभु के दिन की कल्पना बहुत अधिक है क्योंकि बुराई का निर्णायक रूप से न्याय किया जाता है।

लूका 21:25 से 27 में, यशायाह 13:10, यहजकेल 32:7, योएल 2:30 और 31, भजन 46:2 और 3, भजन 65:7, यशायाह 24:19, सेप्टुआजेंट, हागै 2:6 और 21, और दानियेल 7:13 का हमारा संकेत। पुराने नियम की आशा और अपेक्षा मरी नहीं है, प्रेरितों के काम 3:20 से 21। यीशु वादे के बाकी हिस्से को पूरा करने के लिए वापस आएगा, एक वादा जो पृथ्वी पर सभी मानव जाति के लिए स्पष्ट रूप से दिखाई देगा, साथ ही विश्वासियों को दिए जाने वाले अनन्त लाभों में भी।

हम अपने अगले व्याख्यान में इस राज्य के विषय पर थोड़ा और विस्तार से चर्चा करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा ल्यूक-एक्ट्स के धर्मशास्त्र पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 4 है, डेरेल बॉक का धर्मशास्त्र, ईश्वर की योजना, क्राइस्टोलॉजी और मोक्ष।